



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 2, 1990 (ज्येष्ठ 12, 1912)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 1990 (JYAISTHA 12, 1912)

इस भाग में फिल पाठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III--SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

(केन्द्रीय कार्यालय)

नियम-

बम्बई-400021, दिनांक 09 जून 1990

सूचना

सं० सी०ओ०/बी० ओ० डी०/पी० एण्ड एल०/55—इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि भारतीय स्टेट बैंक का मुख्य रजिस्टर एवं साक्षा रजिस्टर गुरुवार दिनांक 05 जुलाई, 1990 से गुरुवार दिनांक 19 जुलाई 1990, तक दोनों दिन सम्मिलित करने हुए, गेयर घंतरण के लिए बन्द रहेंगे ।

एस० एल० गोस्वामि,
अध्यक्ष

क्रमबद्ध

स्टेट बैंक ऑफ़ हैदराबाद

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी बैंक)

प्रधान कार्यालय

बैंक के स्टाफ सदस्यों के हस्ताक्षर करने के अधिकार

हैदराबाद-500177, दिनांक 11 मई 1990

सं० स०यो०बि०/ 14/4—स्टेट बैंक ऑफ़ हैदराबाद के बोर्ड ने निम्नलिखित अधिकारियों को संयुक्त और पृथक रूप से प्राधिकृत किया है :

- (1) बचन पत्रों, स्टॉक रसीदों, स्टॉक डिबेंचरों, शेयरों, प्रतिभूतियों तथा बैंक के नाम अथवा बैंक द्वारा रखे गए माल पर हक के दस्तावेजों का पृष्ठांकन एवं अन्तरण, विनिमय पत्रों तथा बैंकों का आहरण, स्वीकृति तथा पृष्ठांकन करना, साख पत्रों को जारी करना, पुष्टि करना तथा अन्तरण करना, बैंक के वर्तमान तथा प्राधिकृत व्यवसाय में गारंटी तथा इन्वेस्टमेंटी का हस्ताक्षर करना तथा ऐसे व्यवसाय से संबंधित या अन्य वर्तमान या बैंक के प्राधिकृत व्यवसाय से संबंधित

सभी अन्य पत्रों, सूचनाओं, लेखों, रसीदों तथा दस्तावेजों को हस्ताक्षरित करना ।

- (1) प्रबन्ध निदेशक
- (2) मुख्य महाप्रबन्धक
- (3) महाप्रबन्धक (परिचालन)
- (4) महाप्रबन्धक (योजना एवं विकास)
- (5) महाप्रबन्धक (निरीक्षण एवं वित्त)
- (6) मुख्य सतर्कता अधिकारी
- (7) अंचल प्रबन्धक
- (8) मुख्य निरीक्षक
- (9) अपर मुख्य निरीक्षक
- (10) मुख्य प्रशिक्षक
- (11) प्रधान कार्यालय के मुख्य प्रबन्धक (ऋण, वित्त एवं लेखा, कम्प्यूटर सेवा और विदेश विभाग)
- (12) शाखाओं के मुख्य प्रबन्धक
- (13) प्रधान कार्यालय के सहायक महाप्रबन्धक (विपणनण कामिक एवं मानव संसाधन विकास, विकास एवं ग्रामीण बैंकिंग)
- (14) प्रधान कार्यालय के विकास प्रबन्धक (वाणिज्यिक एवं संस्थागत) लघु उद्योग व्यवसाय, वैयक्तिक एवं सेवा बैंकिंग, कृषि बैंकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग और अग्रणी बैंक विभाग
- (15) प्रधान कार्यालय के विभागों के प्रबन्धक (संगठनात्मक योजना, संगठन एवं प्रणाली, मानव संसाधन विकास, प्रबंधन सूचना प्रणाली, जन सम्पर्क, बैंकिंग परिचालन, योजना, कामिक प्रशासन, औद्योगिक संबंध, लेखन सामग्री, संपदा, परिसर एवं अंचल आस्तियां, वसूली, अनुशासनिक कार्यवाही और सामुदायिक सेवा बैंकिंग)
- (16) विशेष अधिकारी, क्षेत्र-बैंक
- (17) क्षेत्रीय प्रबन्धक
- (18) क्षेत्रीय कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी
- (19) कार्यालय प्रबन्धक, प्रधान कार्यालय/अंचल कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय/विदेश विभाग
- (20) प्रबन्धक, विदेश विभाग
- (21) प्रबन्धक, ऋण विभाग
- (22) प्रबन्धक, औद्योगिक पुनर्वास
- (23) प्रबन्धक, वित्त एवं लेखा विभाग
- (24) प्रबन्धक, केन्द्रीय लेखा विभाग
- (25) प्रबन्धक, (निधि)
- (26) प्रबन्धक (पें-भ-नि०)
- (27) प्रबन्धक, सम्पर्क कार्यालय
- (28) लेखापाल, निधि प्रबन्धन कक्ष
- (29) तीसरा अधिकारी, निधि प्रबन्धन कक्ष
- (30) शाखाओं के शाखा प्रबन्धक
- (31) प्रभागों के प्रबन्धक (वाणिज्यिक एवं संस्थागत/वैयक्तिक एवं सेवा बैंकिंग/लघु उद्योग व्यवसाय/कृषि बैंकिंग/अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग)
- (32) शाखाओं के लेखापाल

प्रबन्ध निदेशक तथा उपर उल्लिखित अन्य अधिकारी एवं क्षेत्रीय अधिकारियों को एतद्वारा समनुषंगी बैंकों के सामान्य विनियम 1959 के विनियम 55 के विनियम 55 के साथ पढ़ा जाए, उसमें उल्लिखित निम्नलिखित अधिकारों के प्रयोग के अधिकार दिए गए हैं ।

- (i) वादपत्र, लिखित विवरण, याचिका और आवेदन पत्रों का सत्यापन और हस्ताक्षर करने

(2) शपथपत्र की पुष्टि/शपथ

(3) बांडों पर हस्ताक्षर कर उसे सील लगाकर सुपुर्द करना

(4) बैंक की ओर से कानूनी कार्यवाही से संबंधित सामान्य तौर पर सभी अन्य दस्तावेजों को तैयार एवं पूर्ण करना

2. बैंक के नाम से वादपत्र द्वारा रखे गए माल पर हक दस्तावेजों का पृष्ठांकन एवं अंतरण, विनियम पत्रों तथा चैकों का आहरण, स्वीकृति तथा पृष्ठांकन करना, बैंक के वर्तमान तथा प्राधिकृत व्यवसाय में साखपत्रों को जारी करना पुष्टि करना तथा अन्तरण करना

तथा ऐसे व्यवसाय से संबंधित सभी अन्य पत्रों, सूचनाओं, लेखों, रसीदों तथा दस्तावेजों को हस्ताक्षरित करना

शाखाओं के क्षेत्र अधिकारी

शाखाओं के सहायक लेखापाल

प्रभारी अधिकारी, सरकारी लेखा सम्पर्क कक्ष, नागपुर

प्रभारी अधिकारी, सम्पर्क कार्यालय, बम्बई

शाखाओं में प्रभागों के उप-प्रबन्धक (वा० एवं से०/वै०/एवं से बैं० ल० उ० व्य०/ कृषि/अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग)

शाखाएं/अंचल कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय/प्रधान कार्यालय के मार्केट प्रमोशन अधिकारी

प्रधान कार्यालय के विभागों के द्वितीय क्रम के अधिकारी

प्रधान कार्यालय के ऋण, वित्त एवं लेखा और कार्यालय प्रबन्धक का विभाग के तृतीय क्रम के अधिकारी

3. (1) बैंक के लिए एवं बैंक की ओर से मांगपत्रों, नोटिसों और पन्ना-चार पर हस्ताक्षर करना (2) शपथ पत्र लेने, वादपत्रों की पुष्टि या सत्यापन करना, लिखित कथन, याचिकाओं, आवेदनपत्रों, निवेदनों, अपीलों, ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना (3) बांडों पर हस्ताक्षर कर उसे सील लगा कर सुपुर्द करना, और (4) किसी कोर्ट, ट्रिब्यूनल, प्राधिकारी, पदाधिकारी आदि के समक्ष चाहे वह सिविल, फौजदारी, राजस्व हो या अन्यथा हो, जिसमें बैंक एक पक्ष हो या किसी अन्य प्रकार से हित रखता हो, सामान्य रूप से कानूनी कार्यवाही, मल्यांकन कार्यवाही, न्याय-निर्णयन से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना

प्रधान कार्यालय के मुख्य विधि अधिकारी एवं विधि अधिकारी अंचल कार्यालयों के सहायक विधि अधिकारी

4. उससे संबंधित मामलों के संबंध में बाहरी एजेंसियों से अन्तर कार्यालय/अंतर विभागीय सूचनाओं एवं पत्रों पर हस्ताक्षर करना

सुरक्षा अधिकारी, प्रधान कार्यालय

5. क०प्र०श्रे०मन्त्र-1 के सहायक लेखापाल द्वारा रु० - तक राशि के ड्राफ्ट हस्ताक्षर करना

6. (अधिकारी—म०प्र०श्रे० मान-2) सहायक लेखापाल द्वारा रु० 1,00,000/- तक की राशि के ड्राफ्ट हस्ताक्षर करना

7. चैरिटी कमिशनर और आयकर एवं सम्पदा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत किए जाने वाले विवरणों और ऐसे कारोबार से संबंधित पत्रों, सूचनाओं, खाता और रसीदों पर हस्ताक्षर करना

मुख्य महाप्रबन्धक

महाप्रबन्धक (परिचालन)

महाप्रबन्धक (योजना एवं विकास)

महाप्रबन्धक (निरीक्षण एवं वित्त)

मुख्य प्रबन्धक (वित्त एवं लेखा)

8. बैंक द्वारा प्रबंधन किए गए ऋणों तथा डिबेंचर इश्यू के व्याज वारंटों एवं लाभांश वारंटों पर और ऐसे ऋणों तथा डिबेंचरों के प्रबंधन से संबंधित पत्रों, सूचनाओं, खातों तथा रसीदों पर हस्ताक्षर करना

मुख्य महाप्रबंधक
महाप्रबंधक (परिचालन)
महाप्रबंधक (योजना एवं विकास)
महाप्रबंधक (निरीक्षण एवं वित्त)
मुख्य प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
शाखाओं के शाखा प्रबंधक

शाखाओं में प्रभागों के प्रबंधक (वाणिज्यिक एवं संस्थागत) शाखाओं के लेखापाल

9. माल पर हक के दस्तावेजों को छोड़कर चैकों, बिलों, ड्राफ्टों तथा अन्य परक्राम्य पत्रों का पृष्ठानकन करना

विशेष सहायक

10. ₹ 15,000/- तक तथा उसे सम्मिलित कर सरकारी एवं अन्य जमा वाउचरों की प्राप्तियां (नकद लेन देन के लिए) और ₹ 25,000/- (अन्तरण लेन देन के लिए)

विशेष सहायक

11. संयुक्त रूप से एक प्राधिकृत व्यक्ति के साथ ₹ 15,000/- तक तथा उसे सम्मिलित कर सरकारी एवं अन्य जमा वाउचरों की प्राप्तियां।

प्रधान रोकड़िया

12. ₹ 3,000/- तक तथा उसे सम्मिलित कर सरकारी एवं अन्य जमा वाउचरों की प्राप्तियां (नकद लेन देन के लिए) और ₹ 7,500/- (अन्तरण लेन देन के लिए)

प्रधान लिपिक

13. ₹ 1000/- तक तथा उसे सम्मिलित कर जमा वाउचरों की प्राप्तियां टेलर

बोर्ड के आदेशानुसार

ए० के० भट्टाचार्या, प्रबंध निदेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1990

संख्या एन-15/13/6/1/90-यो० एवं वि० (2) कर्मचारी राज्य बीमा सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-5-1990 ऐसी तारीख के रूप में निम्नलिखित की हैं जिससे उक्त विनियम 95-क तथा केरल कर्मचारी राज्य बीमा विनियम-1957 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य में निम्नलिखित कक्षा में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जायेंगे।

अर्थात्

“मालापुरम जिले के इरनाद तालुक में राजस्व ग्राम समुदाय के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”

ए० सी० जुनेजा
निदेशक (यो० एवं वि०)

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 मई 1990

सं० ई०-III/5 (3) 90-जी० जे०-15305-कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की

उपधारा (4) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त एतद् द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 की धारा 17 की उप धारा (1) के खण्ड (क) के अन्तर्गत मैसर्स अम्बिका मिल्स लिमिटेड न० 1 तथा 2 अहमदाबाद की स्वीकृत छूट तत्काल रद्द करते हैं जिसे अधिसूचना सं० एस० आर० ओ० 3416 दिनांक 17 अक्टूबर, 1957 के क्रम सं० 174 तथा 193 पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा जारी किया गया और भारत के राजपत्र में दिनांक 26-10-1957 को प्रकाशित किया गया।

दिनांक 15 मई 1990

सं० पी०-iv/ 1 (6)/89-15451-कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-ब की उपधारा (7क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, एतद्-द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि (स्टाफ और सेवा शर्तें) विनियम, 1962 में और संशोधन करके निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

- (1) ये विनियम कर्मचारी भविष्य निधि (स्टाफ और सेवा शर्तें) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1990 कहलायेंगे
- (2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि (स्टाफ और सेवा शर्तें) विनियम, 1962 के नियम 31 के वर्तमान उपबंधों को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“31 अपवादात्मक मामलों में ढील :—

जहां आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि सेवा शर्तों के मामले में किसी विनियम या उपबंध को लागू करने के कारण किसी कर्मचारी विशेष के मामले में अना-वश्यक कठिनाई होती है तो वह केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि के अनुमोदन से आदेश द्वारा छुट दे सकते हैं, विनियम या उपबंध की अपेक्षाओं में उस सीमा तक ढील दे सकते हैं और मामले को निपटाने के लिए जिन शर्तों को वे न्याय और समानता के लिए आवश्यक समझते हैं, उन पर विचार कर सकते हैं।”

पाद टिप्पणी

भारत के राजपत्र भाग-II धारा 3 (1), दिनांक 19 मई, 1962 में प्रकाशित मूल विनियम देखें सा० का० गि० सं० 691

देखें संशोधित विनियम

- जी०एस० आर० सं० 1483, दिनांक 5 सितम्बर, 1963 14-9-1963 को प्रकाशित
- जी०एस० आर० सं० 592 दिनांक 31-3-64, 11-4-64 को प्रकाशित
- जी०एस० आर० सं० 896 दिनांक 02 जून, 1966
- जी०एस० आर० सं० 1824, दिनांक 22 नवम्बर, 1966
- जी०एस० आर० सं० 127 दिनांक 17 जनवरी, 1967
- जी०एस० आर० सं० 127 दिनांक 28 जनवरी, 1967
- जी०एस० आर० सं० 787 दिनांक 16 मई, 1970
- जी०एस० आर० सं० 1155 दिनांक 7 अगस्त, 1971
- जी०एस० आर० सं० 1602 दिनांक 30 अक्टूबर 1971
- जी०एस० आर० सं० 149 दिनांक 7 जनवरी 1972
- जी०एस० आर० सं० 88 दिनांक 08-01-1972
- जी०एस० आर० सं० 533 दिनांक 26-5-1973
- जी०एस० आर० सं० 547 दिनांक 26-5-1973
- जी०एस० आर० सं० 591 दिनांक 2-6-1973

15. जी० एम० आर० सं० 645, दिनांक 16-6-1973
16. सरकारी अधिसूचना सं० 19 (30) / 69 पी० एफ० आई०, दिनांक 17-6-1975
17. अधिसूचना सं० ए-12018/74-पी० एफ० आई०, दिनांक 25-8-1976
18. जी० एम० आर० सं० 645, दिनांक 16-6-1977
19. जी० एम० आर० सं० शून्य, दिनांक 28-10-1978
20. अधिसूचना सं० ए०डी० एम० (आर०-1) 14 (7) 80/ 35813 दिनांक 23-12-1980
21. जी० एम० आर० सं० शून्य दिनांक 7 नवम्बर, 1981 भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड-4 में प्रकाशित
22. अधिसूचना सं० पी० III/ ए०डी०एम० आर०- 11/ 14 (1) 81/79/89 दिनांक 12-1-1984, दिनांक 1-12-1984 को भारत के राजपत्र भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित
23. अधिसूचना सं० पी०-III/ ए० डी० एम० आर० 11/16 (63) 79/ए० पी०, दिनांक 14-12-1984, दिनांक 20-12-1984 को भारतीय राजपत्र के भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित
24. अधिसूचना सं० पी०-4/2 (9) 83/सहायक/ मुख्य लिपिक/15898, दिनांक 1-8-1986, दिनांक 16-8-1986 को भारत के राजपत्र भाग III, खण्ड-4 में प्रकाशित है।
25. अधिसूचना सं० पी०/4/1 (13)/ 84/ ए/20653, दिनांक 22-8-1986, दिनांक 6-9-1986।
26. अधिसूचना सं० पी०-4 /2(4) 83/आर० आर० दिनांक 31-10-1986, दिनांक 15-11-1986 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित
27. अधिसूचना सं० पी०-4 /1 (4) 85, दिनांक 7-5-1987, दिनांक 23-5-1987 को भारत के राजपत्र में भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित
28. अधिसूचना सं० पी०-4/1 (14)/84ए, दिनांक 18-5-87, दिनांक 30-5-1987 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।
29. अधिसूचना सं० पी०-4/14 (1)/81/दिनांक 12-7-88, दिनांक 23-7-1988 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित
30. अधिसूचना सं० पी०-4/3 (62)/ 85 दिनांक 26-10-1988, दिनांक 12-11-1988 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित
31. अधिसूचना सं० पी०-4/ 1 (5)/ 89 दिनांक 16-11-1989, दिनांक 9-12-1989 को भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड/4 में प्रकाशित।
32. अधिसूचना सं० पी०-4/14/(1)/81: वाल० II, दिनांक 20-11-1989, दिनांक 9-12-1989 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित।

2438—जहाँ मैसर्स नेशनल इन्स्यूरन्स कम्पनी लि., 3, मिडिलटन स्ट्रीट, कलकत्ता-71 (डब्ल्यू. बी/13087) जिसमें डिबीजनल आफिस व शाखा सम्मिलित है न कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है, (जिसमें इसमें इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग

अंशदान या प्रीमियम की अवधिगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकृत्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस-35014 (72)/85/ एम. एस. II तिथि 27-3-85 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जो दिनांक 28-3-88 से 27-3-91 तक लागू होगा। जिसमें यह तिथि 27-3-91 भी शामिल है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास के समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-ब के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दायित्व आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवाय

राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वृत्ति में संवये होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिष्ठ/नाम निर्देशितों के प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की वृत्ति में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिष्ठों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार

नाम निर्देशितों/विधिक वारिष्ठों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक वृत्ति में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एफएम/89/भाग-1/2926—इहाँ अनुसूची-I में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि/सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-I

क्षेत्र गुजरात

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के.भ.नि.आ.का.ता.नं.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स होनेस्टेबसटाइलस इण्डस्ट्रीज, महादेव नगर, बिर्लीमोरा-386321 (गुजरात)	जी० जे०/79-ए०	1-9-1988	2/2352/89-जी० एल० आई०
2.	मैसर्स किमारीवाला डे-केम० इण्डस्ट्रीज, एस-52, मनु इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बापूनगर, अहमदाबाद।	जी० जे०/1385	1-2-1989	2/2357/89-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स गुजरात ट्रांसफार्मर्स ग्रुप लि०, धनेजा, बडोदरा-390013	जी० जे०/2524	1-8-1988	2/2353/89-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स बी सबरकाठा जिला, क-उत्पादकोमी को-आप० स्थिरमिंग मिल्स लि०, इंदोर रोड, हिममतनगर, (डिस्ट्रिक्ट सबरकाठा), गुजरात।	जी० जे०/2632	1-3-1987	2/2364/89-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स दिवी इण्डस्ट्रीज, गोम्बल रोड, राजकोट-360002	जी० जे०/4596-ए	1-3-1989	2/2350/89-डी० एल० आई०
6.	मैसर्स ज्योति इलेक्ट्रिक मोटर्स लि०, भोगर-388340, तल० आनन्द डिस्ट्रिक्ट, खेडा (गुजरात)	जी० जे०/6107	1-1-1989	2/2356/89-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
7. मैसर्स ज्येति त्विद्योगीयरस लि०, मोगर-388340, तल० आनन्द, डिस्ट्रिक्ट, खोडा (गुजरात)	जी० जे०/6168	1-1-1899	2/2354/89-डी० एल० आई०	
8. मैसर्स जे० डी० इण्डस्ट्रीस, पी० डी० एम० कामर्स कालेज के पास, गोंडल रोड, राजकोट-60002	जी० जे०/7382	1-3-1989	2/2355/89-डी० एल० आई०	
9. मैसर्स श्री लक्ष्मी विजया इरन एण्ड ब्रास फैक्ट्री, हाइवे रोड, सिधपुर-384151 (गुजरात)	जी० जे०/7390	1-3-1989	3/2365/89-डी० एल० आई०	
10. मैसर्स डी० पी० डे० के० पी० प्लांट न० 1/5 तथा 1/6, जी० आई० डी० सी० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वापी-396195 (डिस्ट्रिक्ट बालसाद)	जी० जे०/8440-ए	1-7-1988	2/2351/89-डी० एल० आई०	
11. मैसर्स प्रगति ग्लास वर्क्स प्रा० लि०, खराछ डिस्ट्रिक्ट मरुच, पो० ओ० तथा रेलवे स्टेशन, कोसम्बा, (आर०एस०) 394120 (गुजरात)	जी० जे०/9335	1-3-1989	2/2362/89-डी० एल० आई०	
12. मैसर्स श्री गायत्री मेटल वर्क्स, जी० आई० डी० सी० अन्तालोया, बिलीमोरा-396321 (गुजरात)	जी० जे०/9564	1-1-1989	2/2366/89-डी० एल० आई०	
13. मैसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रीज, जी० आई० डी० सी०, टीजे अन्तालोया, बिलीमोरा-396325	जी० जे०/9593	1-1-1989	2/1516/88-डी० एल० आई०	
14. मैसर्स एक्सल प्लास्टिक, 3032, जी० आई० डी० सी०, मकरपुरा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बडोदा-390010	जी० जे०/10789	1-8-1988	2/2371/89/डी० एल० आई०	
15. मैसर्स विमल इण्डस्ट्रीज, 5, जी० आई० डी० सी०, इस्टेट, मेहसाना-384002 (नार्थ गुजरात)	जी० जे०/11107	1-8-1988	2/2370/89-डी० एल० आई०	
16. मैसर्स पोलीथेन कारपोरेशन, 66, जी० आई० डी० सी० मकरपुरा, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बडोदा-390010	जी० जे०/11584	1-8-1988	2/2361/89-डी० एल० आई०	
17. मैसर्स ज्ञान धाम स्कूल, जी० आई० डी० सी० वापी-396195, डिस्ट्रिक्ट-बलसाद, (गुजरात)	जी० जे०/12957	1-1-1989	2/235/89-डी० एल० आई०	
18. मैसर्स सफायद ट्रेडर्स प्रा० लि०, अमृत प्रभा, के० एन० मार्ग, एल्वीस ब्रिज, अहमदाबाद,	जी० जे०/14216	1-3-1989	2/2367/89-डी० एल० आई०	
19. मैसर्स इएल-मेक इण्डस्ट्रीज, सर्वे, न० 28762, अपोजिट विविधला-वशी स्कूल, वदनगर-बीसनगर, अग्रोच रोड, वदनगर-384355 (गुजरात)	जी० जे०/14356	1-10-1989	2/2353/89/डी० एल० आई०	
20. मैसर्स श्री डयस्कस कारपोरेशन, पटची स्टेट बिल्डिंग, आउटसाईड पन्ड।कुमा।गेट, अहमदाबाद-380002	जी० जे०/15772	1-5-1989	2/2368/89 जी० एल० आई०	
21. मैसर्स बिल्यू चेम प्रा० लि०, प्लाट न० 145, जी० आई० डी० सी०, इण्ड० इस्टेट, वतवा, (फेस-II), अहमदाबाद-382445	जी० जे०/15840	1-1-1989	2/2349/89-डी० एल० आई०	

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता, तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के

हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन अने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

से. 2/1959/डी. एल. आई. /एकजाम./89/भाग-I/2930.—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंश-दान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त पश्चिम बंगाल ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-I

कोश : पञ्चम संघ

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के०म०नि०आ० फाइल नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स दी ड्रगली मिक्स कम्पनी लि०, (यूनिट बोबोरा जून बिल्ड) पी०बो० फोर्टे स्वास्टर, डिस्ट्रिक्ट, हावड़ा।	बम्ब०बी०/96	1-4-1988	2/2692/90 चेडी०एल०आई०
2.	मैसर्स इस्ट इण्डो इन्जीनियर्स, 52, यूनेस्को बोस एवेन्यू, कलकत्ता-700004	बम्ब०बी०/14934	1-11-1988	2/2691/99-डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रकंका तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक सास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन निबोधक द्वारा दिया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाध स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय

राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिध/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना स्थितिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिधियों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिधियों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्पराता में और प्रत्येक वृत्ति में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एकजाम/89/भाग-I/2434.—जहां मैसर्स आर. गार्ड इन्वेंटोडस लि., (रजिस्टर्ड आफिस गोल्लू नं० राउड कावडियार, त्रिवेन्द्रम-695003, केरल) (कोड संख्या : के. आर/3548) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952

का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवस्यगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सह-बद्ध बीमा स्कीम 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, की उक्त स्थापना उल्लिखित पिछली तारीख 1-2-1988 से 31-1-1991 तक से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त केरल ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत विल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभाग का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मध्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचन पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी

बादत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वृत्ति में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिष्ठों/गाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों को अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना शक्तिकोण स्पष्ट करने का यत्न-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह खबर की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी अविक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिष्ठों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काय नाम निर्देशितों/विधिक वारिष्ठों की बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1990

सं० सम्मेलन 5(3) 87/बिहार 15761—केन्द्रीय भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैराग्राफ 5 के साथ पठित पैराग्राफ 4 के उप-पैराग्राफ (1) के अनुसरण में और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०भा० 4063 दिनांक 28-9-85, का अतिरिक्तण करते हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, बिहार राज्य के लिए क्षेत्रीय समिति का गठन करते हैं, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे, यथातः—

अध्यक्ष:

1. सचिव, अध्यक्ष, केन्द्रीय बोर्ड
श्रम योजना तथा प्रशिक्षण विभाग,
बिहार (पटना) द्वारा नियुक्त
सदस्य
2. विशेष सचिव, राज्य सरकार की
श्रम योजना तथा प्रशिक्षण विभाग, सिकारिहा पर अध्यक्ष,
बिहार (पटना) केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नियुक्त दो कर्मचारी
3. श्रम आयुक्त, बिहार (पटना)
नियोक्ता पक्ष के प्रतिनिधि —वही—
4. श्री जी० पी० धर्मा, राज्य में नियोक्ता
सहायक, संगठनों के परामर्श से
भारत श्रम मिल समिती, अध्यक्ष, केन्द्रीय बोर्ड
सिधौलिया, गोपालगंज द्वारा नियोक्ताओं के
तीन प्रतिनिधि नियुक्त
5. श्री ए० एस० वर्मा, —वही—
प्रबन्धक निवेशक,
कल्याणपुर लाईम एण्ड सीमेंट वर्क्स लि०,
मोयें सेंटर, फातर रोड,
पटना।
6. श्री जी० एस० श्रीवास्तव, —वही—
सचिव,
दि बिहार इण्डस्ट्रियल ऐसोसिएशन,
सिन्हा लाईवरी रोड, पटना
कर्मचारी पक्ष के प्रतिनिधि
7. श्री राजिन्द्र प्रसाद सिंह, राज्य में कर्मचारी, संग-
एम० एम० ए०, बिहार आग्नेयाईजिंग सैक्टरी ठनों के परामर्श से
आफ इण्डियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस अध्यक्ष, केन्द्रीय बोर्ड

8. श्री रत्न राय,
उपाध्यक्ष,
बिहार स्टेट कमेटी,
आल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
नारायण मार्केट, बंगर टोली, पटना

द्वारा कर्मचारियों
के तीन प्रतिनिधि
नियुक्त

9. श्री रामदेव प्रसाद,
महा-सचिव,
भारतीय मजदूर संघ,
बिहार शाखा,
बिहार स्टेट क्षेत्रीय कार्यालय,
6/22, आर० ब्लाक, पटना-1

—वही—

दिनांक 18 मई 1990

सं० 2/1959/डी. एल. आई. /एक्सएम/89/भाग-1/3052.—अहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना ब्रह्मा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि म^१, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य बंधन या प्रीमियम की जवाबगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निबंध सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए म^१, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की ओर 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता है, जैसा कि उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

कोष्ठ : बम्बई

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोष्ठ संख्या	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	को०भा०फा० सं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	मैसर्स रपटाकोम ग्रेट एण्ड कं० लि०, डा० एनोबर्न रोड, बारली, बम्बई-400025	एम०एच० 1067	एम०-35014(459)82- पी० एफ-II (एस० एस० II), दिनांक 21-4-86	11-2-89	12-2-89 से 11-2-92	2-833/82- डी० एल० आई०
2.	मैसर्स कल्लर केम० लि०, रविन्द्रा अग्नेयवसी, दिनामा बंदा रोड, 194 चर्चगेट, रिक्लेमेशन, बम्बई-20	एम०एच०/4094 एम०एच०/8094- ए० एम०एच०/9094- बी	एम०-35014(317)85-एस० एस० II दिनांक 2-1-86	1-1-89	2-1-89 से 1-1-92	2/712/82- डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
3. मैसर्स देवीबयाल (सेल्ज) प्रा० लि०, एम०एच०/5153 पो० बा० नं० 6219, तुलसीराम गुप्ता मिल्स, एस्टेट, रोय रोड, बम्बई-400010 और इसकी शाखाएं जो हैदराबाद, गुलबर्गा, रन्दोर, विजयवाड़ा, द्रवली एण्ड नई दिल्ली स्थित हैं।		एस०-35014(141)86- एस०एस०-II दिनांक 21-4-86	20-4-89	21-4-89 से 20-4-92	2/1431/86 डी० एल० आई०	
4. मैसर्स दि जलगांव डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल का० आ० बैंक लि०, जलगांव, एम० जी० रोड, नबी पेठ, जलगांव- 425001, और इसकी शाखाएं जो कश्मिर कोड सं० के तहत कवर्ड हैं।	एम०एच०/6858	एस०/35014(6)84-एफ पी० जी दिनांक 19-5-1984	18-5-87	19-5-87 से 18-5-90	2/985/83- डी० एस० आई०	
5. मैसर्स दि न्यू इण्डिया एंजुयोरेंस कं० लि० 87, महात्मा गांधी रोड, पी० भी० नं० 969, बम्बई-400001।	एम०एच०/8947	एम-35014(312)82 पी०एफ०II (एस०एस०-II) दिनांक 28-4-1986	28-1-89	29-1-89 से 28-1-92	2/132/78-/ डी०एस०आई०	
6. मैसर्स मोटर इण्डस्ट्रीज कं० लि०, 75, एम० आई० डी० सी० एण्ड एस्टेट, सतपुर, नासिक-7।	एम०एच०-12053	एस 35014(314)85/ एस०एस० दिनांक 27-12-85	26-12-88	27-12-88 से 26-12-91	2/191/78- डी० एस० आई०	
7. मैसर्स उहदे इण्डिया लि०, उहदे हाऊस, एल० बी० शास्त्री मार्ग, बिच्चरोपी, (गैस्ट) बम्बई-400083।	एम०एच०/14765	एस-35014(248)85-एम०IV दिनांक 20-11-1985	19-11-88	20-11-88 से 19-11-91	2/588/81- डी० एल० आई०	
8. मैसर्स होटल घोबराय, पू० टावर नरीमनपाइन्ट, मैरिन ड्राईव, बम्बई 400021।	एम०ए०/15448	एम० 35014(389)/पी०एफ II (एस०एस०-II दिनांक 21-4-86)	17-12-88	18-12-88 से 17-12-91	2/776/82- डी० एल० आई०	
9. मैसर्स मफतलाल टायज एण्ड केमिकल्स लि०, (पुराना नाम: ह्रीएचस्ट टायज एण्ड केमिकल्स लि०,) ह्रीएचस्ट हाऊस, 193 नैकबेच, रिकलेमेशन, नरीमन पाइन्ट, पो० भी० 1473, बम्बई-400021।	एम०एच०/4527	एस-35014(343)82-पी०एफ०II (एस०एस०-II दिनांक 28-4-86)	17-12-88	18-12-88 से 17-12-91	2/52/77- डी० एल० आई०	

अनुसूची—II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भाग की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवदे राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संवदे होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना ध्येष्टक्षेत्र स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले, अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी नीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को ब्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार का नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई. एकजाम/89/भाग-1/3057.—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी.एन.साम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. साम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 18(7) के अन्तर्गत होत प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-1

क्षेत्र: दिल्ली

क्र०	स्थापना का नाम और पता	को संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० य० लि० आ० फा० नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स बालमिया सीमेंट (भारत) लि०, हुंसासया (11-12 वीं मंजिल), 15, बाराबन्सा रोड, पोस्ट बाक्स नं० 364, नई दिल्ली-110001	डी० एल०/476	1-2-1989	
2.	मैसर्स पासम पोटासीस, गुड़गाँव रोड, नई दिल्ली-37	डी० एल०/615	1-10-1987	
3.	मैसर्स काप्टीनेंटल पेपर्स लि०, 28, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019	डी० एल०/8035	1-8-1988	

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'नियोजक' कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के अन्तर्गत के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभाव का संदाय आदि भी हैं, हानि वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अम्कूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले सभी लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर या भारतीय जीवन बीमा निगम निदत्त करें, प्रीमियम का संदाय करना में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम का संदाय से किए गए किसी व्यक्तिकर की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशित या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसको हक्दार नाम-निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. ए. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

छावनी बोर्ड, लैन्सडोन

लैन्सडोन, दिनांक 15 मई 1990

सं० का० नि० आ० 710/छा० प० — छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 61 के अनुसार, छावनी बोर्ड, लैन्सडोन की सीमा के अन्तर जन कर लगाने से संबंधित एक प्राकृतिक गार्डनिक सूचना छावनी बोर्ड की सूचना सं० 710/48/सी० बी० दिनांक 13 फरवरी, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी, जिसमें इससे प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से उक्त सूचना के प्रकाशित करने की तिथि से तीसरे दिन की अवधि में आपत्तियां तथा सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त सूचना लैन्सडोन छावनी बोर्ड के सूचना पट पर 13 फरवरी, 1990 को लगा दी गई थी।

और उक्त प्राकृतिक पर जनता की ओर से कोई आपत्ति अथवा सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

अब, इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 60 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, तथा रक्षा मंत्रालय का नि० आ० सं० 83 दिनांक 06 मार्च, 1954 में प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना का अधिष्ठापन करते हुए, भारत सरकार की पूर्व अनुमति से, छावनी बोर्ड, लैन्सडोन एतद्वारा लैन्सडोन

छावनी की सीमा के अन्दर भूमि तथा भवनों पर संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट दगों के अनुसार, जलकर लगाता है। लगाया जाने/सिंचा जाने वाला जल-कर लैन्सडोन छावनी की सीमा के अन्दर स्थित भूमि अथवा भवन अथवा दोनों के वार्षिक किराएदारी-मूल्य पर देय होगा।

मीटर—पठन तथा बगीर मीटर-पठन के लिए जाने वाले जल आपूर्ति प्रभार बोर्ड द्वारा जब भी लगाए जायेंगे, जहाँ भी छावनी बोर्ड ने पानी के कनेक्शन अथवा स्रोत उपलब्ध कराए हुए हैं, चाहे वह पाइप वाला है अथवा बगीर पाइप वाला, वहाँ इसका मुगताम मालिक/कच्चाधारी/बीज पर लेने वाले द्वारा किया जाएगा।

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE

Bombay-400021, the 9th June 1990

No. CO/BOD/P&L/55.—NOTICE is hereby given that the Principal Register and the Branch Registers of the State Bank of India will be closed for transfer of shares from Thursday, the 5th July, 1990 to Thursday, the 19th July, 1990, both days inclusive.

M. N. GOIPORIA
Chairman

STATE BANK OF HYDERABAD
(ASSOCIATE OF THE STATE BANK OF INDIA)
HEAD OFFICE

Hyderabad-500177, the 11th May 1990

SAVING POWERS OF MEMBERS OF THE BANKS
STAFF

No. OPD/14/4.—The Board of State Bank of Hyderabad authorises the following officers jointly or severally :—

1. To endorse and transfer promissory notes, stock receipts, stock debentures, shares, securities and documents of title to goods, standing in the name of or held by the Bank, to draw, accept and endorse bills of exchange and cheques, to issue, confirm and transfer letters of credit, to sign guarantees and indemnities in the current and authorised business of the Bank and to sign all other letters, advices, accounts, receipts and documents connected with such business or other current or authorised business of the Bank.

1. Managing Director.
2. Chief General Manager.
3. General Manager (Operations).
4. General Manager (Planning & Development).
5. General Manager (Inspection & Finance).
6. Chief Vigilance Officer.
7. Zonal Managers.
8. Chief Inspector.
9. Additional Chief Inspectors.
10. Chief Instructors.
11. Chief Managers at Head Office (Credit, Finance & Accounts, Computer Services & Foreign Department).
12. Chief Managers of Branches.
13. Assistant General Managers at Head Office (Marketing, Personnel and Human Resources Development, Development and Rural Banking).
14. Development Managers at Head Office (Commercial & Institutional, Small Industries and Business,

अनुसूची

- (1) जिन भवनों में घरेलू उपयोग के लिए जल-कनेक्शन लगे हैं वहाँ भवन के वार्षिक किराएदारी-मूल्य का 11 प्रतिशत
- (2) जिन भवनों में घरेलू उपयोग के लिए जल-कनेक्शन नहीं लगे हुए हैं, वहाँ भवन के वार्षिक किराएदारी-मूल्य का 8 प्रतिशत

एम० सी० पादनी
छावनी अधिवासी अधिकारी
लैन्सडोन

Personal & Services Banking, Agricultural Banking, International Banking and Lead Bank Departments).

15. Managers of Departments at Head Office (Organisational Planning, Organisation & Methods, Human Resources Development, Management Information Systems, Public Relations, Banking Operations, Planning, Personnel Administration, Industrial Relations, Stationery, Estate, Premises & Fixed Assets, Recovery, Disciplinary Proceedings and Community Services Banking).
 16. Special Officer, Regional Rural Banks Department.
 17. Regional Managers.
 18. Administrative Officers at Regional Offices.
 19. Office Manager, Head Office/Zonal Office/Regional Office/Foreign Department.
 20. Manager, Foreign Department.
 21. Managers, Credit Department.
 22. Manager, Industrial Rehabilitation.
 23. Manager, Finance & Accounts Department.
 24. Manager, Central Accounts.
 25. Manager (Funds).
 26. Manager, P.P.F.
 27. Manager, Link Office.
 28. Accountant, Funds Management Cell.
 29. Third Officer, Funds Management Cell.
 30. Branch Managers at Branches.
 31. Managers of divisions (Commercial & Institutional, Personal & Services Banking, Small Industries & Business, Agricultural Banking, International Banking).
 32. Accountants of Branches.
- The Managing Director and the other officers referred to above and field officers at branches are hereby empowered to exercise powers mentioned in Regulation 56 read with Regulation 55 of the Subsidiary Banks General Regulations 1959 as follows :
- (i) to sign and verify complaints, written statements, petitions and applications.
 - (ii) to swear/affirm affidavits.
 - (iii) to sign, seal and deliver bonds, and
 - (iv) generally to make and complete all other documents connected with legal proceedings on behalf of the Bank.

2. To endorse and transfer documents of title to goods standing in the name of or held by the Bank, to draw, accept and endorse Bills of Exchange and Cheques, to issue, confirm and transfer letters of credit in the current and authorised business of the Bank and to sign all other letters, advices, accounts, receipts and documents connected with such business.

Field Officers at branches.

Assistant Accountants at branches.

Officer-in-Charge, Government Accounts Link Cell, Nagpur
Officer-in-Charge, Link Office, Bombay.

Deputy Managers of Divisions at branches (C&I, P&SB, SIB, Agri. Banking, International Banking).

Market Promotion Officers at Branches/Zonal Office/Regional Office/Head Office.

Second Line Officers in Head Office Departments.
Third Line Officers in Credit, Finance & Accounts
and Office Manager's Department at Head Office.

3. (i) To sign for and on behalf of the Bank, letters of demand, notices and correspondence.
- (ii) To sign, swear, verify or affirm plaints, written statements, petitions, applications, representations, appeals, memos.
- (iii) To sign, seal and deliver bonds; and
- (iv) Generally sign all documents connected with legal proceedings, assessment proceedings, adjudication etc., in which the Bank may be a party or otherwise interested, before any Court, Tribunal, Authority, Official, etc., whether Civil, Criminal, Revenue or otherwise.

Chief Law Officer and Law Officers at Head Office.
Assistant Law Officers at Zonal Offices.

4. To sign inter-office/inter-departmental communication and letters to outside agencies in relation to matters dealt by him.

Security Officer at Head Office.

5. To sign drafts for amounts not exceeding Rs. 50,000/- by Assistant Accountants belonging to JMGS-I.

6. To sign drafts for amounts not exceeding Rs. 1,00,000/- by Assistant Accountants (Officers--MMGS-II).

7. To sign statements submitted to the Charity Commissioner and Income Tax and Estate Duty Authorities and letters, advices, accounts and receipts connected with such business:

Chief General Manager.
General Manager (Operations)
General Manager (Planning & Development)
General Manager (Inspection & Finance).
Chief Manager (Finance & Accounts).

8. To sign Interest Warrants and Dividend Warrants of loans and debenture issues managed by the Bank and letters, advices, accounts and receipts connected with the management of such loans and debentures:

Chief General Manager.
General Manager (Operations).
General Manager (Planning & Development).
General Manager (Inspection & Finance).
Chief Manager (Finance & Accounts).
Branch Managers at Branches.
Managers of Divisions (Commercial & Institutional) at branches.
Accountants at branches.

9. To endorse cheques, bills, drafts and other negotiable instruments but not documents of title to goods:
Special Assistants.

10. To receipt Government and other credit vouchers upto and including Rs. 15,000/- (for cash transactions) and Rs. 25,000/- (for transfer transactions):

Special Assistants.

11. To receipt Government and other credit vouchers upto and including Rs. 15,000/- jointly with an authorised person:

Head Cashiers.

12. To receipt Government and other credit vouchers upto and including Rs. 3,000/- (for cash transactions) and Rs. 7,500/- (for transfer transactions):

Head Clerks.

13. To receipt credit vouchers upto and including Rs. 1,000/-:

Tellers.

By order of the Board
A. K. BHATTACHARYA,
Managing Director

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 15th May 1990

No. N-15/13/6/1/90-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16th May, 1990 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1957 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Kerala namely:—

"The area within the revenue village of Mampad in Ponnad Taluk of Malappuram District."

A. C. JONEJA,
Director (PLG. & DEV.)

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 14th May 1990

No. E.II/5(3)90-GJ-15305.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (4) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) the Central Provident Fund Commissioner hereby rescinds with immediate effect the exemption granted to M/s Ambica Mills Ltd., (No. 1 & 2) Ahmedabad under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 vide Notification No. SRO-3416 dated 17th October, 1957 vide serial No. 174 and 193 respectively thereof issued by the Central Provident Fund Commissioner published in the Gazette of India dated 26-10-1957.

The 15th May 1990

No. P. IV/1(6)/89-15451.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees hereby makes the following regulations further to amend the Employees' Provident Fund (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1962, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Employees' Provident Fund (Staff and conditions of Service) (Second Amendment) Regulations, 1990.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. The existing provisions of Rule 31 of the Employees' Provident Fund (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1962, shall be substituted as follows:—

"31. Relaxation in exceptional Cases:—Where the Commissioner is satisfied that the operation of any

regulation or provision in the matter of the conditions of service of an employee causes undue hardship in any particular case, he may with the approval of the "Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund", by order, dispense with or relax the requirement of that regulation or provision to such extent and subject to such conditions as may be considered necessary for dealing with the case in a just and equitable manner."

FOOT NOTE

Original regulations published in the Gazette of India, Part-II Section 3(i) dated the 19th May, 1962 vide G.S.R. No. 691.

REGULATIONS AMENDED VIDE :—

1. G.S.R. No. 1493 dated the 5th Sept., 1963 published on 14-9-63.
2. G.S.R. No. 592 dated 31-3-64 published on 11-4-64.
3. G.S.R. No. 896 dated the 2nd June, 1966.
4. G.S.R. No. 1824 dated 22nd November, 1966.
5. G.S.R. No. 127 dated the 17th Jan., 1967.
6. G.S.R. No. 127 dated the 28th Jan., 1967.
7. G.S.R. No. 787 dated the 16th May, 1970.
8. G.S.R. No. 1155 dated the 7th August, 1971.
9. G.S.R. No. 1602 dated the 30th October, 1971.
10. G.S.R. No. 149 dated the 7th Jan., 1972.
11. G.S.R. No. 88 dated the 8-1-1972.
12. G.S.R. No. 533 dated the 26-5-1973.
13. G.S.R. No. 547 dated the 26-5-1973.
14. G.S.R. No. 591 dated the 2-5-1973.
15. G.S.R. No. 645 dated the 16-6-1973.
16. Government's notification No. 19(30)/69-PF.I dated 17-6-75.
17. Notification No. A. 12018/74-PF.I dated the 25-8-76.
18. G.S.R. No. 645 dated the 16-6-1977.
19. G.S.R. No. Nil dated the 28-10-78.
20. Notification No. Adm. (R II)/14/(7)/80/35813 dated 23-12-1980.
21. G.S.R. No. Nil dated the 7th November, 1981 published in the Part-III, Section-4 in the Gazette of India.
22. Notification No. III/Adm. R.II/14(1)/81/79169 dated the 12-11-1984.
published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 1-12-1984.
23. Notification No. P.III/Adm. R.II/16(63)/79/AP dated the 14-12-1984 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 29-12-1984.
24. Notification No. P. IV/2(9)/83/Asslt./HC/15898 dated the 1-8-86, published on 16-8-86 in the Gazette of India, Part-III, Section-4.
25. Notification No. P.IV/1/(13)/84/A/20753 dated 22-8-86 published on 6-9-86 in the Gazette of India, Part-III, Section-4.
25. Notification No. P.IV/1/(13)/84/A/20753 dated published on 15-11-86 in the Gazette of India, Part-II, Section-4.
27. Notification No. P.IV/1(4)/85 dated 7-5-87 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 23-5-87.
28. Notification No. P.IV/1(14)/84/A. dated 18-05-87 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 30-05-87.

29. Notification No. P.IV/14(1)/81/Pt. dated 12-07-88 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 23-07-88.

30. Notification No. P.IV/3(62)/85 dated 26-10-88 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 12-11-88.

31. Notification No. P.IV/1(5)/89 dated 16-11-89 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 09-12-89.

32. Notification No. P.IV/14(1)/81/Vol.II dated 20-11-89 published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 09-12-89.

No. 2/1959/D.II/Exemp/89/P.T.I/2438.—WHEREAS M/s. National Insurance Company Limited, 3, Middleton Street, Calcutta-71 (Including its Divisional & Branch Office, WB/13087) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employee's Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/72/85/SS.IV dated 27-3-85 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 28-3-88 to 27-3-91 upto and inclusive of the 27-3-91.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/2926.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employee's Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, In exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s. File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Honest Textile Industries, Mahadev Nagar, Bilimora-396321	GJ/79-A	1-9-88	2/2352/89-DLI
2.	M/s. Kinariwala Dyc-Chem Industries, 6/52, Mun-Industrial Estate, Bapunagar, Ahmedabad.	GJ/1385	1-2-89	2/2357/89-DLI
3.	M/s. Gujarat Transformers Pvt. Ltd., Maneja, Vadodara-390013	GJ/2524	1-8-88	2/2359/89-DLI
4.	M/s. The Sabarkantha Jilla Ru Utpadkoni Co-Op. Spinning Mills Ltd., Idar Road, Himat Nagar, (Distt. Sabarkantha) Gujarat.	GJ/2632	1-3-87	2/2364/89-DLI
5.	M/s. Divi Industries, Gondal Road, Rajkot-360002.	GJ-4506-A	1-3-89	2/2350/89-DLI
6.	M/s. Jyoti Electric Motors Ltd., Mogar-388340, Tal. Anand, (Distt. Kheda Gujarat)	GJ/6107	1-1-89	2/2356/89-DLI
7.	M/s. Jyoti Switchgears Ltd., Mogar-388340, Tal. Anand, Distt. Kaira Gujarat.	GJ/6160	1-1-89	2/2354/89-DLI
8.	M/s. J.D. Industries Near P.D.M. Commerce College Gondal Road Rajkot-360002	GJ/7382	1-3-89	2/2355/89-DLI

1	2	3	4	5
9.	Shri Laxmi Vijay Iron & Brass Factory Highway Road Sidhpur-384151	GJ/7390	1-3-89	2/2265/89-TLI
10.	M/s. D.P. Dye Chem Plot No. 1/5 & 1/6 G.I.D.C. Industrial Estate. Vapi-396195 (Distt. Valsad)	GJ/8440-A	1-7-88	2/2351/89-DLI
11.	M/s. Pragati Glass Works Pvt. Ltd. Kharach Distt. Bharuch P. O. & Railway Station Kosamba (R.S.) 394120	GJ/9335	1-3-89	2/2362/89-DLI
12.	Shree Gayatri Metal Works G.I.D.C. Antalia Bilimora-396321	GJ/9564	1-1-89	2/2366/89-DLI
13.	M/s. Laxmi Industries G.I.D.C. Antalia Bilimora-396325	GJ/9593	1-1-89	2/1156/88-DLI
14.	M/s. XL Plastics 303/2 G.I.D.C. Makarpura Industrial Estate Baroda-390010	GJ/10789	1-8-88	2/2371/89-TII
15.	M/s. Vimal Industries 5 G.I.D.C. Estate Mehsana-384002 (North Gujarat)	GJ/11107	1-8-88	2/2370/89-DLI
16.	M/s. Polydyne Corporation 66 G.I.D.C. Makarpura Industrial Estate Baroda-390010	GJ/11584	1-8-88	2/2361/89-DLI
17.	M/s. Gnyan Dham School G.I.D.C. Vapi-396195 (Distt. Valsad Gujarat)	GJ/12957	1-1-89	2/2358/89-DLI
18.	M/s. Sapphier Traders Pvt. Ltd. Amrit Prabha K.N. Marg. Ellisebridge Ahmedabad	GJ/14216	1-3-89	2/2367/89-TII
19.	M/s. EL-Meck Industries Survey No. 2876/2 Opp Vividhla-Kshi School Vadnagar-Visnagar Approach Road, Vadnagar-284355	GJ/14356	1-10-88	2/2353/89-DLI
20.	Shree Dyestuffs Corporation Patdi State Building Outside Panch Kuva Gate Ahmedabad-380002	GJ/15772	1-5-89	2/2368/89-DLI
21.	M/s. Blue Chem Pvt. Ltd. Plot No. 145 G.I.D.C. Ind. Estate Vatva (Phase-II) Ahmedabad-382445	GJ/15840	1-1-89	2/2349/89-DLI

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are

more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the

said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt-I/2930.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employee's Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, In exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. West Bengal from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE—I

REGION : WEST BENGAL

S. No.	Name & Address of the establishment	C d. No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. The Hoggly Mills Ltd. Co. (Urit Bowresh Jute Mills) P.O. Fort Gloster Distt. Howrah	WB/96	1-4-88	2/2692/90/DLI
2.	M/s East End Engineers 52, Bhupendra Bose Avenue Calcutta-700004	WB/14934	1-11-88	2/2691/90/DLI

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are

more favourable to such employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.1/2434.—WHEREAS M/s. R. Gac Electrodes Ltd. (Regd. Office Golf Link Road, Kowdiar, Trivandrum, 695003, Kerala) Code No. KR/3548 have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employee's Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Kerala from the operation of the said Scheme for and upto a period of three years from 1-2-88 to 31-1-91.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide

such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

The 17th May 1990

No. Conf. 5 (3) 87/Bihar /15761 In pursuance of sub-paragraph (1) of paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 and in supersession of the Notification of the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi No. S.O. 4063 dated 28-9-85, the Chairman, Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby sets up a Regional Committee for the state of Bihar consisting of the following persons namely:—

CHAIRMAN

1. Secretary, Appointed by the Chairman of the Central Board.
Labour Planning and Training Department,
Bihar (Patna)

MEMBERS

2. Special Secretary, Labour Two officials appointed by the Chairman of the
Planning Training Department, Bihar (Patna) Central Board on the recommendations of the state
Government.

3. Labour Commissioner, Bihar (Patna) Do.

Employers' Representatives

4. Sri G.P. Dhurka, Three representatives of Employers appointed by
General Manager, Bharat Sugar Mill Ltd. the Chairman of the Central Board in consultation
Sidholiya, Gopalganj. with the Organisations of the employers in the state.

5. Shri A.S. Verma, Do.
Managing Director,
Kalayanpur Lime & Cement Works Ltd.,
Mayura Centre Frazer Road, Patna.

6. Shri G.S. Srivastava, Do.
Secretary,
The Bihar Industrial Association,
Sinha Library Road, Patna.

Employees' Representatives

7. Shri Rajender Prasad Singh, Three representatives of employees appointed by
MLA, Bihar Organising Secretary of I.N.T.U.C. the Chairman of the Central Board in consultation
with the Organisations of employees' in the State.

8. Shri Ratan Raj, Do.
Deputy Chairman,
Bihar State Committee, A.I.T.U.C.,
Narayan Market, Langertoli, Patna.

9. Shri Ramdev Prasad, Do.
General Secretary,
Bhartiya Mazdoor Sangh, Bihar Branch,
Bihar State Regional Office,
6/22, R-Block, Patna-1.

The 18th May 1990

No. 2-1959/DLI/Exemp/89/pt.1/3052.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions

specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated against their names.

SCHEDULE-I

REGION : Bombay

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F. C.s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Raptakos Brett & Co. Ltd. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400025.	MH/1067	S-35014/459/82 PF- II (SS-II) dated 21-4-86	11-02-89	12-02-89 to 11-02-92.	2/833/82-DLI
2.	M/s. Colour Chem. Ltd., Ravindra Annex, Dinshy Vardha Road, 194 Churchgate, Reclamation, Bombay-20.	i) MH/4094 (ii) MH/4094-A (iii) MH/4094-B	S-35014(317) 85-SS-IV dated 2-1-86	1-1-89	2-1-89 to 1-1-92	2/712/82-DLI
3.	M/s. Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Post Box 6219, Tulsiram Gupta Mills, Estate Reay Road, Bombay-400010, including its branches at Hyderabad, Gulbarga, Inlore, Vijayawada, Hubli and New Delhi.	MH/5153	S-35014(141) 86-SS-II dated 21-4-86	20-4-89	21-4-89 to 20-4-92	2/1431/86-DLI
4.	M/s. The Jalgaon District, Central Co-operative Bank Limited, Jalgaon, M.G. Road Navi Peth, Jalgaon, 425001, including its branches covered under one and same code Number,	MH/68585	S-35014/6/84- FPG. dt. 19-5-84	18-5-87	19-5-87 to 18-5-90	2/985/83-DLI
5.	M/s. Searle (India) Limited, 21, Damodardas Sukhadvala Marg, Bombay-400001.	MH/7588	S-35014/158/82- PF-II SS-II dt. 3-9-86	17-9-88	18-9-88 to 17-9-91	2/260/79-DLI
6.	M/s. The New India Assurance Co. Ltd., 87, Mahatma Gandhi Road, Flora Fountain Fort P. O. No. 969, Bombay-400001.	MH/8947	S-35014/312/82- PF-II/SS-II) dt. 28-4-86	28-1-89	29-1-89 to 28-1-92	2/132/78-DLI
7.	M/s. Motor Industries Co. Ltd, 75, MIDC Ind, Estate, Satpur, Nasik-7.	MH/12053	S-35014(314) 85-SS-IV dated 27-12-85	27-12-88	27-12-88 to 26-12-91	2/191/78-DLI
8.	M/s. Uhde India Limited, Uhde House, L.B. Shastri Marg, Vikhroli (West) Bombay-400083	MH/14765	S-35014(248) 85-SS-IV dt. 20-11-85	19-11-88	20-11-88 to 19-11-91	2/588/81-DLI
9.	M/s. Hotel Oberoi Towers Nariman Point, Marine Drive, Bombay-400021.	MH/15448	S-35014/389/ PF-II SS II dated 21-4-86	17-12-88	18-12-88 to 17-12-91	2/776/82-DLI
10.	M/s. Mafatlal Dyes & Chemicals Ltd., Hoechst House, 193-Backbay, Reclamation, Nariman Point P.O. 1473, Bombay-400021	MH/4527	S-35014(343) 82-PF-II(SS-II dt. 18-4-86	17-12-88	18-12-88 to 17-12-91	2/52/77-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where

any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLJ/Exemp/89/pt.I/3057.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C., Delhi from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE-I

REGION: Delhi

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd., Hansalaya (11-12 Floor) 15, Bara Khamba Road, P.B. No. 364, New Delhi-110001.	DL/476	1-2-89	
2.	M/s. Palam Potteries Gurgaon Road, New Delhi-37	DL/615	1-10 87	
3.	M/s. Continental Papers Ltd., 28, Nehru Place, New Delhi-110019	DL/8035	1-8-88	

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

CANTONMENT BOARD LANSLOWNE

Lansdowne, the 15th May 1990

SRO No. 710/CB.—Whereas, a draft public notice regarding the imposition of Water Tax within the limits of Lansdowne, notice No. 710/48/CB dated 13 February, 1990, as required by section 61 of the Cantonments Act, 1924 (2 downe Cantonment was published with the Cantonment Board, of 1924), for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notice.

And whereas, the said notice was put on the notice Board of the Lansdowne Cantonment on the 13th February, 1990.

And whereas, no objections and suggestions have been received from the public on the said draft.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 60 of the said Act and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Defence SRO No. 83 dated 6 March, 1954, the Cantonment Board, Lansdowne, with the previous sanction of the Central Government, hereby imposes Water Tax on lands and buildings within the limits of Lansdowne Cantonment at the rate specified in the schedule annexed. The water tax charged/levied shall be payable by the owner on the annual rental value of the land or buildings or both situated within the limits of Lansdowne Cantonment.

The metered and non-metered water supply charges, as and when levied by the Board, shall be payable by the owner/occupier/lessee where Cantonment Board has provided or is maintaining water connection or a source of water supply, be it piped or otherwise.

SCHEDULE

- (1) 11 per cent on the annual rental value of buildings which have domestic water connections.
- (2) 8 per cent on the annual rental value of buildings which have no domestic water connections.

M. C. PATNI,
Cantt. Executive Officer, Lansdowne